भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4234
दिनांक 01.04.2026 को उत्तरार्थ

मॉडल यूथ ग्राम सभा पहल

4234 # श्री बृज लालः
श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाणः
श्रीमती किरण चौधरीः
श्री शंभू शरण पटेलः

क्या **पंचायती राज** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने हेतु प्रारंभ की गई मॉडल यूथ ग्राम सभा (एमवाईजीएस) पहल के उद्देश्य और क्रियान्वयन ढाँचे का ब्यौरा क्या है;

(ख) इस कार्यक्रम के प्रारंभ होने के बाद से अब तक इसमें जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) के विद्यार्थियों की भागीदारी किस सीमा तक रही है;

(ग) संबंधित मंत्रालयों और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से मॉडल यूथ ग्राम सभा गतिविधियों के आयोजन हेतु अपनाए गए संस्थागत तंत्रों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या ग्राम पंचायतों के कार्यकरण और स्थानीय अभिशासन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के भीतर ऐसे भागीदारी अभ्यासों को एकीकृत करने के लिए कोई दिशानिर्देश या मॉड्यूल विकसित किया गया है; और

(ङ) यदि हां, तो राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में व्यापक कवरेज के लिए विस्तार योजनाओं सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पंचायती राज मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ग) पंचायती राज मंत्रालय ने स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (DoSEL) और जनजातीय कार्य मंत्रालय (MoTA) के सहयोग से जवाहर नवोदय विद्यालयों (JNV), एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (EMRS) और महाराष्ट्र एवं कर्नाटक राज्यों के चयनित उच्च विद्यालयों के छात्रों के लिए आदर्श युवा ग्राम सभा (MYGS) की पहल शुरू की है।इस पहल का उद्देश्य छात्रों को त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली के प्रति शिक्षित करना, ग्राम सभाओं में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना, अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से नेतृत्व क्षमता को मजबूत बनाना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020तथा विकसित भारत के विजन के अनुरूप संवैधानिक मूल्यों और नागरिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देना है।

कार्यान्वयन के इस ढांचे में इस पहल को लागू करने के लिए जनजातीय छात्रों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा सोसाइटी

(NESTS) और नवोदय विद्यालय समिति (NVS) के साथ संस्थागत सहयोग शामिल है। इसमें क्षमता निर्माण की श्रृंखलाबद्ध (cascading) पद्धति अपनाई गई है, जिसमें शिक्षकों को विशेष मॉडल यूथ ग्राम सभा मॉड्यूल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है, जो छात्रों के प्रशिक्षण और भागीदारी में सहयोग देते हैं।इसके बाद, ग्राम सभा की कार्यवाही के संरचित सिमुलेशन (अनुकरण) के माध्यम से विद्यालयों में आदर्श युवा ग्राम सभा सत्रों का संचालन किया जाता है, जिसमें एजेंडा निर्धारण, विचार-विमर्श, बजटन और प्रस्ताव पारित करने में छात्रों की सक्रिय भागीदारी होती है, जो वैधानिक प्रक्रियाओं के अनुरूप होती है। कार्यवाही को निगरानी और रिकॉर्ड के लिए विद्यालयों द्वारा पंचायत निर्णय पोर्टल पर प्रलेखित किया जाता है।

इस पहल में प्रभावी भागीदारी और प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित सत्रों का मूल्यांकन और पुरस्कार प्रणाली के माध्यम से मान्यता देना भी शामिल है।आदर्श युवा ग्राम सभा (MYGS) पहल के शुभारंभ के बाद से, जवाहर नवोदय विद्यालयों (JNV) के कुल 22,765छात्रों और एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (EMRS) के 5,962छात्रों ने आदर्श युवा ग्राम सभा की गतिविधियों में भाग लिया है। इसके अतिरिक्त, 2,16,020छात्रों ने ग्राम सभा सिमुलेशन (अनुकरण) अभ्यासों में भाग लिया है।यह पहल देशभर के 619 जेएनवी और 200 ईएमआरएस विद्यालयों में लागू की गई है।

(घ) एवं (ङ) आदर्श युवा ग्राम सभा (MYGS) पहल में दिशा-निर्देशों का एक समर्पित समूह और एक विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल है,जिसे विशेष रूप से शिक्षकों और छात्रों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए तैयार किया गया है। आदर्श युवा ग्राम सभा (MYGS)के दिशा-निर्देश विद्यालयों में ग्राम सभा की कार्यवाही का सिमुलेशन (अनुकरण) करने के लिए एक संरचित ढांचा प्रदान करते हैं, जिससे वैधानिक प्रक्रियाओं के साथ तालमेल सुनिश्चित होता है। विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल शिक्षकों और छात्रों को इन सिमुलेशन (अनुकरणों) को एकसमान, आकर्षक और प्रक्रिया-उन्मुख तरीके से संचालित करने में मार्गदर्शन करने के लिए विकसित किया गया है। यह संरचित दृष्टिकोण छात्रों को लोकतांत्रिक भूमिकाओं और प्रक्रियाओं को समझने में सक्षम बनाता है, साथ ही संचार, आलोचनात्मक सोच और सहयोगात्मक निर्णय लेने के कौशल विकसित करने में भी सहायक होता है, जिससे जमीनी स्तर की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में प्रभावी भागीदारी को बढ़ावा मिलता है।

इसके अतिरिक्त, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने विद्यालयों में आदर्श युवा ग्राम सभा (MYGS) पहल को लागू करने में रुचि दिखाई है। इस संबंध में, कर्नाटक राज्य ने 303 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया है, जबकि महाराष्ट्र ने 28 शिक्षकों को राज्य भर में MYGS सिमुलेशन (अनुकरण) अभ्यासों के संचालन के लिए छात्रों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित करने हेतु प्रशिक्षित किया है।

****